19-12-2023

सुरबाया, इंडोनेशिया में दोनों संगठनों के बीच हस्ताक्षरित समझौता ज्ञापन का एक हिस्सा

आज का कानपुर

कानपुर । पीटी पीजी राजावली शुगर ग्रुप, इंडोनेशिया के तीन वरिष्ठ तकनीकी अधिकारियों, एरिक हरियांतो, हरि सुशास्त्र और हस्फी मौलाना, 6 सप्ताह की अवधि के विशेष रूप से डिजाइन किए गए प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिए राष्ट्रीय शर्करा संस्थान, कानपुर पहुंचे । राष्ट्रीय शर्करा संस्थान, कानपुर में आयोजित किया जा रहा यह प्रशिक्षण कार्यक्रम जुलाई 2023 में सुरबाया, इंडोनेशिया में दोनों संगठनों के बीच हस्ताक्षरित समझौता ज्ञापन का एक हिस्सा है।राष्ट्रीय शर्करा संस्थान, कानपुर के निदेशक प्रोफेसर नरेंद्र मोहन ने कहा कि खेत से लेकर मिलों तक उत्पादकता में कमी को देखते हुए उन्होंने समस्यात्मक क्षेत्रों में दक्षता में सुधार के लिए पीटी पीजी राजा वाली शुगर ग्रुप के अधिकारियों को लघु और दीर्घकालिक उपाय सुझाए हैं। उन्होंने कहा कि इण्डोनेशिया में उच्च ऊर्जा खपत, प्रोसेसिंग के दौरान चीनी की अधिक हानि और चीनी उत्पादन की उच्च लागत से मिलों की दक्षता में कमी परिलक्षित हो रही थी। हमने वर्तमान बाजार की आवश्यकताओं के अनुरूप चीनी के उत्पादन के साथ चीनी मिलों के चरणबद्ध आधुनिकीकरण का सुझाव दिया।।प्रोफेसर नरेंद्र मोहन ने कहा कि परियोजनाओं को लागू करने के लिए यह आवश्यक है कि वरिष्ठ तकनीकी कर्मचारियों को आधुनिक तकनीक के बारे में जानकारी दी जाए और इसलिए प्रशिक्षण कार्यक्रम का पहला बैच आयोजित किया गया है, जिसमें दो सप्ताह का सैद्धांतिक प्रशिक्षण लेने के बाद इंडोनेशियाई अधिकारी, दो आधुनिक चीनी संयंत्रों में संस्थान के संकाय सदस्यों की निगरानी में व्यावहारिक प्रशिक्षण प्राप्त करेंगे।पाठ्यक्रम संयोजक महेंद्र यादव ने कहा कि हम रिफाइंड और अन्य शर्करा के उत्पादन और आधुनिक एनर्जी एफिशिएंट प्रोसेसिंग उपकरणों के उपयोग के बारे में ज्ञान प्रदान करने पर ध्यान केंद्रित करेंगे साथ ही मानक संचालन प्रक्रियाओं और जल एवं ऊर्जा संरक्षण के बारे में भी बताएंगे।

आज

इंडोनेशियाई अधिकारियों को प्रशिक्षण देंगे एनएसआई के वैज्ञानिक

❑ एनएसआई में शुरू हुआ प्रशिक्षण कार्यक्रम

प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान मौजूद एनएसआई निदेशक प्रो.नरेन्द्र मोहन व अन्य।

(आज समाचार सेवा)

कानपुर। 18 दिसम्बर। पीटी पीजी राजावली शुगर ग्रुप, इंडोनेशिया के तीन वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी एरिक हरियांतो, हरि सुशास्त्र और हस्फी मौलाना छह सप्ताह की अवधि के विशेष रूप से डिजाइन किये गये प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिए राष्ट्रीय शर्करा संस्थान पहुंच गये। एनएसआई में आयोजित किया गया प्रशिक्षण कार्यक्रम जुलाई 2023 में सुरबाया, इंडोनेशिया में दोनों संगठनों के बीच हस्ताक्षरित समझौता ज्ञापन का एक हिस्सा है। एनएसआई के निदेशक प्रो. नरेंद्र मोहन ने बताया कि खेत से लेकर मिलों तक उत्पादन में कमी को देखते हुए हमने समस्यात्मक क्षेत्रों में दक्षता में सुधार के लिए पीटी पीजी राजा वाली शुगर ग्रुप के अधिकारियो को लघु और दीर्घकालिक उपाय सुझाए है। उन्होंने बताया कि इंडोनेशिया में उच्च ऊर्जा खपत प्रोसेसिंग के दौरान चीनी की अधिक हानि और चीनी उत्पादन की उच्च लागत से मिलों की दक्षता में कमी परिलक्षित हो रही थी। हमने वर्तमान बाजार की आवश्यकताओं के अ नुरूप चीनी के उत्पादन के साथ चीनी मिलों के च रणबद्ध आधुनिकीकरण का सुझाव दिया। निदेशक ने परियोजनाओं को लागू करने के लिए यह आवश्यक है। वरिष्ठ तकनीकी कर्मचारियों को आधुनिक तकनीक के ब ारे में जानकारियां दी जाए। प्रशिक्षण का पहला बैच आयोजित किया जा रहा है। प्रशिक्षण के बाद इंडोनेशियाई अधिकारी दो आधुनिक चीनी संयंत्रों के सं काय सदस्यों की निगरानी में व्यावहारिक प्रशिक्षण प्राप्त करेंगे। पाठ्यक्रम के संयोजक महेंद्र यादव ने हम रिफाइंड और अन्य शर्करा के उत्पादन और आधुनिक एनर्जी एफिशिएट प्रोसेसिंग उपकरणों के उपयोग के बारे में ज्ञान प्रदान करने पर ध्यान केंद्रि त करेंगे। साथ ही मानक संचालन प्रक्रियाओं और जल एवं ऊर्जा संरक्षं के ब ारे में बताएंगे।

इंडोनेशिया के तकनीकी अफसरों के साथ एनएसआई निदेशक प्रो. नरेंद्र मोहन। संवाद

इंडोनेशिया के अधिकारी एनएसआई में लेंगे प्रशिक्षण

कानपुर। इंडोनेशिया के शर्करा उद्योग के तीन वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी नेशनल शुगर इंस्टीट्यूट (एनएसआई) में प्रशिक्षण लेने आए गए हैं। इंडोनेशिया के पीटी पीजी राजावली शुगर ग्रुप के एरिक हरयांतो, हरि और हस्फी मौलाना छह सप्ताह की अवधि का विशेष रूप से डिजाइन प्रशिक्षण लेंगे।

एनएसआई के निदेशक प्रोफेसर नरेंद्र मोहन ने बताया कि प्रशिक्षण को लेकर जुलाई में इस संबंध में समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर हुए थे। प्रशिक्षण में खेतों से मिलों तक उत्पादकता में सुधार करने के लिए उपाय सुझाए गए हैं। उन्होंने बताया कि इंडोनेशिया में उच्च ऊर्जा खपत, प्रोसेसिंग के दौरान चीनी की अधिक हानि और चीनी उत्पादन की उच्च लागत आदि दिक्कतें हैं।

तकनीकी अधिकारियों को वर्तमान में बाजार की आवश्यकताओं के अनुरूप चीनी उत्पादन के साथ मिलों के चरणबद्ध आधुनिकीकरण के तरीके बताए जाएंगे। मानक संचालन और जल एवं ऊर्जा संरक्षण के बारे में बताया जाएगा। (ब्यूरो)

इंडोनेशिया को तकनीकी प्रशिक्षण दे रहा शर्करा संस्थान

राष्ट्रीय शर्करा संस्थान में इंडोनेशिया से आया प्रतिनिधिमंडल। फोटो : एसएनबी

कानपुर (एसएनबी)। इंडोनेशिया में शर्करा उत्पादन को बढ़ाने और गुणवत्तापूर्ण करने के मकसद से राष्ट्रीय शर्करा संस्थान द्वारा इंडोनेशिया के तकनीकी अधिकारियों का प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारम्भ सोमवार को हुआ। इस मौके पर बताया गया कि यह प्रशिक्षण जुलाई 2023 में सुरबाया, इंडोनेशिया में दोनों संगठनों के बीच हस्ताक्षरित समझौता ज्ञापन का हिस्सा है।

प्रशिक्षण कार्यक्रम का हुआ शुभारंभ

प्रशिक्षण के लिये इंडोनेशिया के पीटी पीजी राजावली शुगर ग्रुप के तकनीकी अधिकारी शर्करा संस्थान पहुंचे। इनके लिये संस्थान में 6 सप्ताह का विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम डिजाइन किया गया है। इस मौके पर संस्थान के निदेशक प्रो. नरेन्द्र मोहन ने बताया कि खेत से लेकर मिलों तक उत्पादकता की कमी को देखते हुए संस्थान ने समस्यात्मक क्षेत्रों में दक्षता सुधार के लिये पीटी पीजी राजावाली शुगर ग्रुप के अधिकारियों को लघु और दीर्घकालिक उपाय सुझाये हैं। उन्होंने कहा कि इंडोनेशिया में उच्च ऊर्जा खपत, प्रोसेसिंग के दौरान चीनी की अधिक हानि और चीनी उत्पादन की उच्च लागत से मिलों की दक्षता में कमी दिखायी दे रही है।

हमने वर्तमान बाजार की आवश्यकताओं के अनुरूप चीनी के उत्पादन के साथ चीनी मिलों के चरणबद्ध आधुनिकीकरण का सुझाव दिया है। उन्होंने कहा कि परियोजनाओं को लागू करने के लिये यह जरूरी है कि वरिष्ठ [illegible] कर्मचारियों को आधुनिक तकनीक के बारे में जानकारी दी जाये। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम इसीलिये आयोजित किया गया है। पाठ्यक्रम संयोजक महेन्द्र यादव ने कहा कि हम रिफाइंड और अन्य शर्करा उत्पादन और आधुनिक एनर्जी एफिशिएंट प्रोसेसिंग उपकरणों के उपयोग के बारे में ज्ञान प्रदान करने पर ध्यान केन्द्रित करेंगे, साथ ही मानक संचालन प्रक्रियाओं और जल व ऊर्जा संरक्षण के बारे में भी बतायेंगे।